नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

वास्तु कला के विद्यार्थियों ने जानी भवनों की बारिकियां

वर्धा, 3 जुलाई 2019: वास्तु कला की दृष्टि के भवनों के निर्माण के लिए सर्व परिचित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के परिसर को देखकर वास्तु कला के विद्यार्थी अभिभूत हुए। नागपुर स्थित दत्ता मेघे वास्तु कला महाविद्यालय के अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के भवनों की अनोखी वास्तु कला जानने और समझने के लिए मंगलवार, 2 जुलाई को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। अध्यापक समृद्धि भालेराव, राहुल भिसे, मोनिका डे

तथा शुभम भुजाडे के साथ 60 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने पाठ्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय की वास्तु कला का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने अच्छी पढ़ाई के लिए

वातावरण और पर्यावरण के हिसाब से बनाए गये भवनों, छात्रावासों, अकादमिक एवं प्रशासनिक विभागों की इमारतों का निरीक्षण किया। अध्यापकों ने माना कि वास्तु कला की व्यापक दृष्टि से परिसर का निर्माण और विकास किया गया और अध्ययन के साथ-साथ विद्यार्थियों के

समस्त व्यक्तित्व के विकास को ध्यान में रखकर भवनों का निर्माण किया गया हैं। अध्यापकों और विद्यार्थियों ने छात्रावासों, मीडिया लैब, स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय, अकादमिक भवन, गांधी हिल्स का भी भ्रमण किया और वास्तु कला की बारिकियों की जानकारी हासिल की। उन्हें जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे तथा फोटोग्राफर एवं डाक्युमेंटेशन सहायक राजदीप राठौर ने विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।